

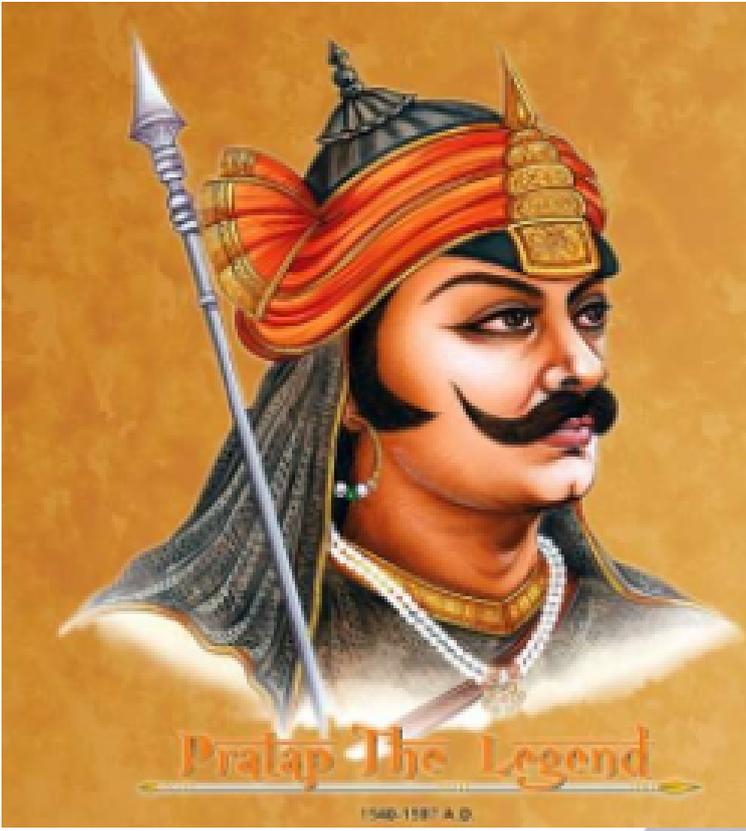
मेवाड़ राजपरिवार के महेंद्र सहि मेवाड़ का नधिन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पूर्व सांसद और मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सहि मेवाड़ का उदयपुर में नधिन हो गया। वे [महाराणा प्रताप](#) के वंशज थे।

मुख्य बदि

- महाराणा प्रताप:
 - राणा प्रताप सहि, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
 - वह मेवाड़ के 13वें राजा थे और उदय सहि द्वितीय के सबसे बड़े पुत्र थे।
 - महाराणा उदय सहि द्वितीय ने चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाकर मेवाड़ राज्य पर शासन किया।
 - उदय सहि द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक भी थे।
- हल्दीघाटी का युद्ध:
 - [हल्दीघाटी का युद्ध](#) 1576 में मेवाड़ के राणा प्रताप सहि और आमेर के राजा मान सहि, जो मुगल सम्राट अकबर के सेनापति थे, के बीच लड़ा गया था।
 - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध लड़ा लेकिन मुगल सेना से हार गये।
 - माना जाता है कि महाराणा प्रताप के नषिठावान घोड़े चेतक ने युद्ध के मैदान से लौटते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।
- पुनर्विजय:
 - 1579 के बाद मेवाड़ पर मुगल दबाव कम हो गया और प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर और गोगुंदा सहित पश्चिमी मेवाड़ को पुनः प्राप्त कर लिया।
 - इस समय के दौरान, उन्होंने आधुनिक डूंगरपुर के नकिट एक नई राजधानी चावंड की स्थापना भी की।
- मृत्यु:
 - 19 जनवरी, 1597 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके पुत्र अमर सहि ने उनका स्थान लिया, जिन्होंने 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर के अधीन हो गए।



प्रताप गौरव केंद्र

- यह राजस्थान के उदयपुर शहर में टाइगर हिल पर स्थित एक पर्यटन स्थल है।
- इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक की सहायता से महाराणा प्रताप और कर्षेत्र की ऐतिहासिक वरिष्ठ के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahendra-singh-mewar-from-mewar-royal-family-passes-away>